

मेरे चिंतन में आके बसो लाइली भजन लिरिक्स



मेरे चिंतन में आके बसो लाइली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे,
तुम हो करुणा की सागर बहो लाइली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे Ibd।

आँख खोलू तो ऊँची अटारी दिखे,
आँख मुंदु तो श्यामा जु प्यारी दिखे,
तेरी करुणा के रस में बहू लाइली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे Ibd।

मेरे भावों को कर देना सांचो प्रिये,
मेरी जिह्वा पे नाम बन नाचो प्रिये,
रस की सागर हो तुम अब रसो लाइली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे Ibd।

भाव में कैसे डूबू बता दीजिये,
प्रेम होता है क्या ये सीखा दीजिये,
मैं रुदन में रहूँ तुम हंसो लाइली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे Ibd।

नाम ऐसा जपूँ मुझमे आवेश हो,
तेरी लीला में मेरा भी परवेश हो,
'हरिदासी' की हालत लखो लाइली,
Radha Bhajan Diary Lyrics,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे Ibd।

मेरे चिंतन में आके बसो लाइली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे,
तुम हो करुणा की सागर बहो लाइली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे Ibd।



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>